

आरक्षण कटौती का विरोध

आरक्षण कटौती का विरोध

दलित वर्ग ने 12 प्रतिशत करने पर किया प्रदर्शन

भास्कर न्यूज. रायपुर

अनुसूचित जाति के आरक्षण को घटाकर 16 से 12 प्रतिशत किए जाने के विरोध में हजारों की संख्या में दलितों ने शनिवार को बूढातालाब धरनास्थल पर धरना दिया। उन्होंने इसके लिए सड़क की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री निवास घेरने जा रहे प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ जमकर झूमाझटकी हुए। उनको गिरफ्तार करने के बाद में निशर्त रिहा कर दिया गया।

अनुसूचित जाति आरक्षण बचाव समिति ने धरने का आयोजन किया था। नरसिंह मंडल, पूर्व सांसद परसराम भारद्वाज, गोविंदराम मिरी, पीआर खुंटे, विधायक पदमा मनहर, शिव कुमार डहरिया, दूजराम बौद्ध, पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, डीपी धृतलहरे, पूर्व विधायक चुरावन मंगेशर आदि ने राज्य सरकार को चेतावनी दी कि उनके अधिकारों का हनन किया गया तो गंभीर परिणाम होंगे। दलित समाज कानूनी व जमीनी लड़ाई लड़ेगा। संविधान में आरक्षण की सुविधा जनसंख्या पर आधारित है। सरकार ने 2011-12 की जातिगत जनगणना के अंतिम आंकड़ों का इंतजार न कर जल्दबाजी में कदम उठाया। इससे समाज में रोष है।

दलित समाज का प्रतिनिधि मंडल दिल्ली जाकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति योग को ज्ञापन सौंपेगा। धरने में प्रदेशभर से कांग्रेस, बसपा व अन्य दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।



